युग प्रवर्तक महर्षि दयानन्द सरस्वती

ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 13 अंक 43 कुल पृष्ठ-8 21 से 27 जून, 2018 दयानन्दाब्द 194 सृष्टि सम्वत् 1960853119 सम्वत् 2075 सा.शु.-09

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन

हरिद्वार

उद्घाटन समारोह : 6 जुलाई, 2018, सायं 4 बजे

उद्घाटनकर्ता : **योग गुरु स्वामी रामदेव जी,** पतंजलि योगपीठ

मुख्यअतिथि : **महामहिम श्री गंगा प्रसाद जी,** राज्यपाल, मेघालय

अति विशिष्ट अतिथि : **श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत जी,** मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड

विशिष्ट अतिथि : **चौ. वीरेन्द्र सिंह जी,** केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार

: **स्वामी सुमेधानन्द जी,** संसद सदस्य, सीकर, राजस्थान

: **श्री मदन कौशिक जी,** मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार

: **श्री विपुल गोयल जी,** मंत्री, हरियाणा सरकार

अध्यक्षता : **स्वामी प्रणवानन्द जी,** सम्मेलन अध्यक्ष

स्वागत भाषण : **स्वामी यतीश्वरानन्द जी,** स्वागताध्यक्ष सम्मेलन

प्रस्तावना : **स्वामी आर्यवेश जी,** प्रधान, सार्वदेशिक सभा

संयोजक : **प्रो. विट्ठलराव आर्य जी,** मंत्री/संयोजक, सार्वदेशिक सभा

श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत जी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

सान्निध्य

स्वामी विवेकानन्द सरस्वती जी, स्वामी धर्मानन्द सरस्वती जी, स्वामी अग्निवेश जी, स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी, आचार्या सूर्या देवी जी, आचार्या नन्दिता देवी जी, आचार्या प्रियंवदा जी, आचार्या सुकामा जी, आचार्या सुमेधा जी, डॉ. पवित्रा विद्यालंकार जी, आचार्या अन्नपूर्णा जी, आचार्य सोमदेव शास्त्री जी, श्री वेद प्रकाश श्रोत्रिय जी, डॉ. योगानन्द शास्त्री जी (पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, दिल्ली), डॉ. महावीर मीमांसक जी, श्री ज्वलन्त कुमार शास्त्री जी, श्री रघुवीर वेदालंकार जी।

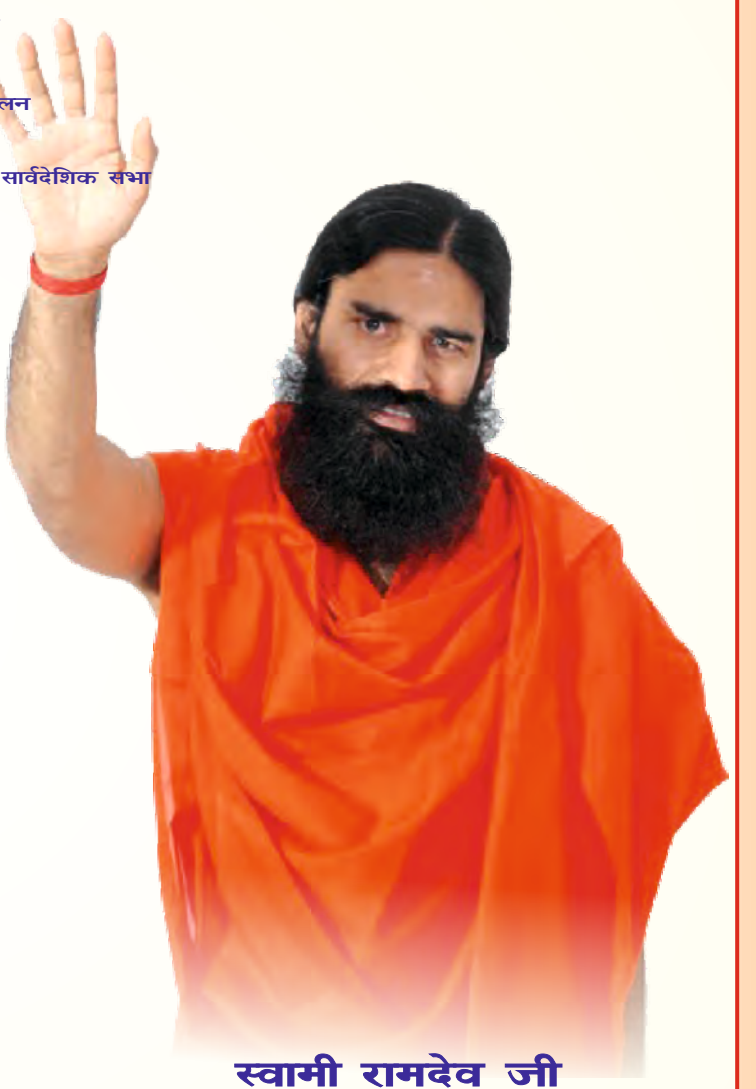

स्वामी रामदेव जी
पतंजलि योगपीठ

गुरुकुलों को केन्द्रीकृत कर

वैदिक संस्कृत सम्मेलन, गुरुकुल शिक्षा प्रणाली सम्मेलन, वर्तमान शिक्षा प्रणाली का विकल्प सम्मेलन, यत्र विश्वम् भवत्येकनीडम् सम्मेलन, वेद विज्ञान एवं संस्कृत सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है।

आर्य जगत् के समस्त संन्यासीगण, आचार्या एवं आचार्यगणों और गणमान्य माहनुभावों की उपस्थिति में यह सम्मेलन गुरुकुल की जननी गुरुकुल कांगड़ी परिसर में आयोजित होगा। भारी संख्या में पधार कर सम्मेलन को सफल बनायें।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

'महर्षि दयानन्द भवन' 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन

दिनांक : 6, 7, 8 जुलाई, 2018 (शुक्रवार, शनिवार, रविवार)

स्थान : गुरुकुल कांगड़ी, विद्यालय परिसर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

कार्यक्रम की रूपरेखा

दिनांक : 6 जुलाई, 2018

प्रातःकालीन यज्ञ 8.00 बजे से

प्रातः 10.30 बजे ध्वजारोहण

ध्वजारोहण : डॉ. धीरज सिंह जी,
प्रधान, आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश

विशिष्ट उपस्थिति : पं. माया प्रकाश त्यागी
कोषाध्यक्ष सार्वदेशिक सभा

श्री गोविन्द सिंह भण्डारी
आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड

श्री सुखवीर सिंह वर्मा, प्रधान उत्तराखण्ड सभा

प्रातः 11 बजे से गुरुकुल परिचय सम्मेलन

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन का

उद्घाटन समारोह

सायं 4 बजे

उद्घाटनकर्ता : योगगुरू स्वामी रामदेव जी

मुख्य अतिथि : महामहिम गंगा प्रसाद जी, राज्यपाल मेघालय

अतिविशिष्ट अतिथि : श्री त्रिवेन्द्र सिंह, मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड

विशिष्ट अतिथि : चौ. वीरेन्द्र सिंह, केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार

: स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती, संसद सदस्य

: श्री मदन कौशिक जी, मंत्री उत्तराखण्ड

: श्री विपुल गोयल जी, मंत्री हरियाणा सरकार

स्वागत भाषण : स्वामी यतीश्वरानन्द जी, स्वागताध्यक्ष सम्मेलन

प्रस्तावना : स्वामी आर्यवेश जी, प्रधान सार्वदेशिक सभा

अध्यक्षता : स्वामी प्रणवानन्द जी, सम्मेलन अध्यक्ष

संयोजक : प्रो. विट्ठलराव आर्य, मंत्री सार्वदेशिक सभा

सायंकालीन यज्ञ : सायं 6.30 बजे

वैदिक संस्कृति सम्मेलन

रात्रि 7.30 से 9.30 बजे तक

7 जुलाई, 2018

प्रातःकालीन यज्ञ 8.00 बजे से

गुरुकुल शिक्षा प्रणाली सम्मेलन

प्रातः 11 बजे

मुख्य अतिथि : आचार्य बालकृष्ण जी, पतंजलि योगपीठ

वर्तमान शिक्षा प्रणाली का विकल्प सम्मेलन

दोपहर 2 से 4 बजे तक

विशाल शोभा यात्रा

सायं 4 से 6.30 बजे तक

नेतृत्व : स्वामी प्रणवानन्द जी, सम्मेलन अध्यक्ष

: स्वामी आर्यवेश जी, प्रधान, सार्वदेशिक सभा

सायंकालीन यज्ञ 6.30 बजे से

यत्र विश्वम् भवत्येकनीडम् सम्मेलन

रात्रि 7.30 से 9.30 बजे तक

8 जुलाई, 2018

प्रातःकालीन यज्ञ 8.00 बजे से

वेद, विज्ञान एवं संस्कृत सम्मेलन

प्रातः 9.30 से 11.30 बजे तक

सम्मान समारोह

मध्यान्ह 11.30 से 1.30 बजे तक

समापन समारोह

मध्यान्ह 2 से 4 बजे तक

मुख्य अतिथि : महामहिम श्री सत्यपाल मलिक जी, राज्यपाल बिहार

विशिष्ट अतिथि : श्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल जी,विधानसभा अध्यक्ष उत्तराखण्ड

: श्री प्रकाश पंत जी, वित्तमंत्री उत्तराखण्ड

: श्री धन सिंह रावत जी, शिक्षामंत्री उत्तराखण्ड

: स्वामी अग्निवेश जी, आर्यनेता

: डॉ. वेद प्रताप वैदिक, वरिष्ठ पत्रकार

: श्री ठा. विक्रम सिंह जी, अध्यक्ष, राष्ट्र निर्माण पार्टी

धन्यवाद ज्ञापन–शांति पाठ

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन में गणमान्य महानुभावों की उपस्थिति

स्वामी विवेकानन्द सरस्वती जी, स्वामी धर्मानन्द सरस्वती जी, स्वामी अग्निवेश जी, स्वामी सुमेधानन्द जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी (मंत्री, उ. प्र. सभा), स्वामी सर्वदानन्द जी, स्वामी चन्द्रवेश जी, स्वामी रामवेश जी, स्वामी ओमवेश जी, स्वामी विश्वानन्द जी, स्वामी चित्तेश्वरानन्द जी, स्वामी श्रद्धानन्द जी (पलवल), डॉ. योगानन्द जी पूर्व विधानसभाध्यक्ष दिल्ली, आचार्य सोमदेव शास्त्री जी, आचार्य वेद प्रकाश श्रोत्रिय जी, डॉ. वेद प्रताप वैदिक जी, डॉ. आनन्द कुमार आई.पी.एस., डॉ. महावीर जी अग्रवाल, डॉ. वेदपाल जी (बड़ौत), डॉ. ज्वलन्त कुमार जी शास्त्री, डॉ. महावीर जी मीमांसक, डॉ. रघुवीर जी वेदालंकार, आचार्या सूर्यादेवी जी, आचार्या नंदिता देवी जी, आचार्या प्रियंवदा जी, डॉ. पवित्रा विद्यालंकार जी, आचार्या धारणा शास्त्री जी, आचार्या गायत्री मीणा जी, आचार्या अन्नपूर्णा जी, आचार्या सुकामा जी, आचार्या सुमेधा जी, डॉ. अमरकौर जी, बहन पूनम आर्या जी, बहन प्रवेश आर्या जी, आचार्य जयेन्द्र जी, श्री विद्या प्रसाद मिश्र जी, डॉ. यशदेव शास्त्री जी, डॉ. बिसराम रामबिलास जी (दक्षिण अफ्रीका), श्री नरदेव यजुर्वेदी जी (हालैण्ड), डॉ. अमरजीत एवं श्री चन्द्रभान जी आर्य (अमेरिका), डॉ. जगेश्वर जी (मॉरीशस), आचार्य रूपकिशोर जी, आचार्य वाचस्पति मिश्र जी, आचार्य धनंजय जी, आचार्य उदयन जी, कै. रुद्रसेन जी, श्री सत्यव्रत सामवेदी जी, पं. वेद प्रकाश शास्त्री जी, आचार्य वीरेन्द्र विक्रम जी, आचार्य अमरदेव शास्त्री जी, आचार्य नरेन्द्र वेदालंकार जी, आचार्य प्रेमपाल शास्त्री जी, आचार्य सत्यवीर जी योगाचार्य, डॉ. जयदेव वेदालंकार जी, डॉ. वेद प्रकाश शास्त्री जी, डॉ. रवि प्रकाश आर्य जी, प्रो. रासा सिंह रावत जी, डॉ. विक्रम कुमार विवेकी जी, डॉ. रवीन्द्र कुमार जी, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार जी, डॉ. विनोद चन्द्र विद्यालंकार जी, डॉ. वेदपाल जी, डॉ. जयदत्त उपप्रेती जी, डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी, आचार्य हनुमत प्रसाद जी, आचार्य राजन मान जी, आचार्या आदेश जी, आचार्या प्रियंका भारती जी, आचार्या शारदा जी, श्री सहदेव बेधड़क जी, श्री कैलाश कर्मठ जी, श्री सत्यपाल सरल जी, श्री नरेश दत्त जी, श्री कुलदीप आर्य जी, श्री रामनिवास आर्य जी (भजनोपदेशक), डॉ. धीरज सिंह जी (प्रधान, उ. प्र. सभा), श्री अरविन्द्र आर्य जी (बुढ़ाना, कोषाध्यक्ष, उ. प्र. सभा), ठा. विक्रम सिंह जी, श्री सुखवीर सिंह वर्मा जी, श्री हरि सिंह सैनी जी, श्री आनन्द चौहान जी, श्री सूर्य प्रकाश मीणा जी, स्वामी कर्मवीर जी, श्री ध्रुव कुमार मित्तल जी, श्री आनन्द कुमार जी, श्री श्रीराम आर्य जी (कोलकाता), पं. माया प्रकाश त्यागी जी, श्री रामेन्द्र गुप्ता जी, श्री भाई वीरेन्द्र जी विधायक (बिहार), श्री अश्विनी शर्मा जी, श्री ओम प्रकाश आर्य जी (पंजाब), डॉ. लक्ष्मणदास आर्य जी (मध्य भारत), श्री गोविन्द सिंह भण्डारी जी, श्री दिनेश आर्य जी, श्री मानपाल सिंह जी, श्री कांडपाल जी, डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता जी, श्री प्रेम प्रकाश आर्य जी (उत्तराखण्ड) श्री लक्ष्मण सिंह आर्य जी (तेलंगाना), श्री आर्य कुमार ज्ञानेन्द्र जी (उड़ीसा), श्री राजेन्द्र सिंह बिसला जी (पूर्व विधायक, हरियाणा), आचार्य वागीश शर्मा जी, पं. वेद प्रकाश शास्त्री (कलकत्ता), पं. मधुसूधन शास्त्री (सिलीगुड़ी), श्री ओम प्रकाश यजुर्वेदी जी, श्री राम स्वरूप रक्षक जी, आचार्य संजीव 'रूप' जी, डॉ. सुरेन्द्र सिंह कादियान, डॉ. वीरेन्द्र अलंकार जी, डॉ. दर्शना आचार्या जी, श्री देवेन्द्रपाल वर्मा जी (उ. प्र.), प्रिं. सदाविजय आर्य जी (महाराष्ट्र), डॉ. अशोक आर्य जी, आचार्य चन्द्रशेखर जी, श्री मोहन मनीषी जी, स्वामी सच्चिदानन्द जी।

विशिष्ट महानुभावों की उपस्थिति

श्री रामसिंह आर्य जी, श्री बिरजानन्द एडवोकेट जी (राजस्थान), श्री योगेश शास्त्री जी, श्री अनिल आर्य जी, श्री रामपाल शास्त्री जी, श्री रामकुमार सिंह आर्य जी, वैद्य इन्द्रदेव जी, श्री मधुर प्रकाश जी, श्री महेन्द्र भाई जी, श्री राम कुमार जी, श्री अमित मान जी, श्री राव रघुनाथ जी (नजफगढ़, दिल्ली), (दिल्ली), स्वामी विदेह योगी जी, स्वामी नित्यानन्द जी, श्री लाजपतराय चौधरी जी, डॉ. ओम प्रकाश योगाचार्य जी, श्री राममोहन राय जी, ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य जी (हरियाणा), श्री प्रभा शंकर तिवारी जी, श्री जय नारायण आर्य जी, श्री लक्ष्मी नारायण भार्गव जी (मध्य प्रदेश विदर्भ), श्री एस.पी. कुमार जी, श्री एस.एस. वर्मा जी, प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड, श्री संजय सत्यार्थी जी, श्री रामानन्द प्रसाद जी (बिहार), स्वामी विजयवेश जी, स्वामी आर्येशानन्द जी, स्वामी सोम्यानन्द जी, डॉ. वीरेन्द्र पंवार जी, श्री प्रदीप आर्य जी, मा. सुमन्त सिंह आर्य जी, श्री कमल आर्य (नागदा), श्री यशपाल 'यश' जी (राजस्थान), श्री दलपत सिंह आर्य जी, श्री भंवरलाल आर्य जी, श्री हरदेव सिंह आर्य जी, श्री हवासिंह आर्य एडवोकेट जी, श्री ओम प्रकाश वर्मा जी, श्री दयाकृष्ण काण्डपाल जी, श्री विश्वमित्र मेधार्थी जी, श्री चन्द्रभूषण शास्त्री जी, आचार्य गुरुबचन सिंह शास्त्री, आचार्य अरविन्द कुमार शास्त्री, प्रो. बलजीत सिंह आर्य जी, श्री रघुवीर सिंह आर्य जी (शामली), श्री विपीन आर्य (सहारनपुर), प्रो. सत्येन्द्र पाल आर्य (खतौली), श्री आनन्द प्रकाश आर्य जी (हापुड़), मा. ज्ञानेन्द्र आर्य जी, श्री तेजपाल सिंह आर्य जी, श्री सत्यवीर चौधरी जी, श्री वीरेश भाटी जी एवं श्री विजेन्द्र सिंह आर्य जी, श्री श्रद्धानन्द शर्मा जी, आचार्य नागेन्द्र जी, आचार्य धर्मवीर जी, आचार्य रामस्वरूप शास्त्री जी, आचार्य हरिदत्त उपाध्याय जी, आचार्य जीवन सिंह जी, आचार्य रामदेव जी (टंकारा), श्री देवराज शास्त्री (एटा), श्री रामपाल आर्य जी (सुन्दरनगर, हि. प्र.), आचार्य महावीर सिंह जी (चम्बा), आचार्य जय कुमार जी, श्री शिवाजी राव शिंदे जी, श्री कृष्ण प्रसाद कौटिल्य जी, ब्र. कोमल कुमार जी, स्वामी सम्यक क्रांतिवेश जी, आचार्य सुधांशु जी, आचार्य ओम प्रकाश जी, आचार्य सुनीति जी, श्री रामपाल शास्त्री जी, श्री रणवीर सिंह जी, श्री चन्द्रदेव शास्त्री जी, श्री राजवीर शास्त्री जी, श्री हरिशंकर अग्निहोत्री जी, श्री रमाकान्त सारस्वत जी, श्रीमती मधुबाला शास्त्री जी, सुश्री मालती आर्या जी, श्री उमेद सिंह विशारद जी, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री जी, श्री उमेश चन्द्र कुलश्रेष्ठ जी, श्री पूर्णचन्द्र आर्य जी, आचार्य कुंजदेव मनीषी जी, श्री धर्मपाल सिंह एडवोकेट जी, डॉ. भूप सिंह आर्य जी, आचार्य प्रमोद योगार्थी जी, श्री भीष्म शास्त्री जी, आचार्य बलजीत सिंह आर्य जी, आचार्य राजमल ढाका जी, आचार्य हरिसिंह भूषण जी, आचार्य अमन सिंह शास्त्री जी, डॉ. यशवीर शास्त्री, श्री सोमदत्त शास्त्री, मेजर विजय आर्य जी (चण्डीगढ़), श्री ओम प्रकाश मलिक जी (देहरादून), श्री नरेन्द्र आर्य सुमन जी, श्री ऋषिपाल शास्त्री जी, श्री संजय गायकवाड़ जी और श्रीमती लता खरे जी, श्री इन्द्रजीत आर्य जी (नरवाना), श्री वरुण बिहारी जी (बिहार), श्री इन्दर सिंह आर्य जी (रिटायर्ड एस.डी.एम.), आचार्य इन्द्रपाल जी, स्वामी आनन्दवेश जी, ब्र. रामफल आर्य जी, मा. गुरुदत्त आर्य जी, आचार्य वीरेन्द्र शास्त्री जी (सहारनपुर), श्री रिपुदमन आर्य और श्री रामपाल सिंह जी (बागपत), श्री कृष्णपाल सिंह जी खलीफा (छपरौली) आदि।

गुरुकुलों के समस्त सम्माननीय आचार्यों से विनम्र निवेदन

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन, हरिद्वार में 6, 7, 8 जुलाई, 2018 को गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार, विद्यालय विभाग के प्रांगण में अत्यन्त उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया जा रहा है। इस महासम्मेलन में देश–विदेश के समस्त गुरुकुलों के आचार्य तथा ब्रह्मचारी/ब्रह्मचारिणियाँ भारी संख्या में भाग लेंगे तथा अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन भी करेंगे। इस अवसर पर देश–विदेश के समस्त गुरुकुलों के इतिहास की एक शानदार प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी जिसके लिए समस्त गुरुकुलों के विवरण की आवश्यकता पड़ेगी। विवरण में गुरुकुल का स्थान तथा पूर्ण पता, गुरुकुल की स्थापना का वर्ष, गुरुकुल के संस्थापक का नाम, ब्रह्मचारी तथा ब्रह्मचारिणियों की संख्या, गुरुकुल की आय का साधन, आचार्यों की संख्या, गुरुकुल के छात्रों की विशेष गतिविधियाँ, गुरुकुल द्वारा संचालित अन्य प्रकल्प तथा अन्य विशिष्ट जानकारी जो आप दे सकते हैं उसे अविलम्ब सार्वदेशिक सभा के कार्यालय "महर्षि दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002 में भिजवाने की कृपा करें। इसकी एक प्रति गुरुकुल प्रदर्शनी के संयोजक **आचार्य धनन्जय जी,** श्रीमद्दयानन्द आर्ष ज्योतिर्मठ, गुरुकुल, आर्य पुरम दूनवाटिका–2, पौंधा, देहरादून–248007 (उत्तराखण्ड), मो.:–9411106104 को भी भिजवाने की कृपा करें। जिससे प्रदर्शनी में आप द्वारा भेजे गये विवरण का उपयोग किया जा सके। आशा है आप अपने गुरुकुल का विवरण अविलम्ब भिजवाने की कृपा करेंगे।

विशेष निवेदन :– समस्त गुरुकुलों और आर्यजनों समेत एक विशाल शोभायात्रा का आयोजन भी अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन के संदर्भ में किया जा रहा है। अतः समस्त गुरुकुलों और आर्य समाजों से निवेदन है कि वे अपने–अपने नाम पट्ट (बैनर) लेते आयें। प्रदर्शनी में रखने हेतु गुरुकुल से सम्बन्धित जानकारी का बैनर भी फोटो सहित बनवाकर लायें तो अधिक सुविधा रहेगी।

– प्रो. विट्ठलराव आर्य, मंत्री, सार्वदेशिक सभा

SOCIO-PHILOSOPHICAL THEME ON

GURUKUL EDUCATION POLICY

(On the occassion of Antar Rashtreeya Gurukul Mahasammelan- INTERNATIONAL CONFERENCE ON GURUKUL EDUCATION POLICY) ON 6th, 7th, 8th July 2018 at Haridwar

- Prof. Vithal Rao Arya
Gen. Secretary, Sarvadeshik Arya Pratiidhi Sabha

Since the inception of human civilization across different continent of this planet earth; almost all clans of human were leading natural life-style in convergence with their respective ecosystem as mentioned in Vedas. Almost all clans were accepting God as supernatural force and creator of this universe.They were consuming natural resources sustainably to fulfill their survival needs only. In the running course of time division of society has taken place on self and selfless philosophy and this is nothing but the thinking of untilising the immense resources for self and other theory selfless i.e. to protect the nature and refill it though they use the resources only for their need, Later because of misconception of philosophy it created the foundation of Caste, Class, Sects, and Religion based division of the human society, and with due course of Scientific advancements; atheism emerged and humans deviated from the path of cohesive - ethical values and segregated themselves from other living creatures and nature. This led to exploitation of natural resources. This deviated journey is still continuing in contemporary world order; as most of the countries have adopted the path of materialism, consumerism, protectionism, and regional disfavoured as well as territorial boundaries based on hatred and so on. On the name of religion; dynasty and development; thousands and thousands of heinous homicide were done to eliminate specific human clans from this planet and it is still continuing on the name of so called modern development. But, when the present development challenges the very existence of human and living beings then question arise,"what for this development is?"

Science and technology has taken the globe towards a new era and created unimaginable communication systems and other facilities. The modern development on the basis of science and technology has brought the world nearer but the present developed world is facing with some of the severe deficiencies in various fields leading towards the imbalance of ecology. Human demographics as a whole are suffering with consequences of exploitation of natural resources which is questioning on very basic existence of human being and as well as on existing of living being.

However, UNITED NATIONS have formulated Sustainable Development Goals 2030 to check and balance this scenario but its very existence and relevance has become a matter of debate due to its financial dependability on developed nations, non-legal binding natures of its treaties and conventions as well as lack of empowered enforcement system. United Nation is asking all the countries world wide, particularly putting a target to developed countries to see that initiatives would be taken to provide pure drinking water, pure air, protect forests, reduce climate change and global warming and also demanding to take health care to all and worldwide. The sustainable development goal agenda is on basic needs of the human and living beings. If the above demands are not met by the end of 2030, the so called modern science and technological development will certainly lead to the disaster of whole nature including all living beings. Even if it is met to some extent but without love and affection, kindness, justice and compassion, the human society will be at highest degree of hopelessness.

Unfortunately, the whole humanity today divided on the considerations of caste, class, creed, religion and like. The World is beset with the bane of hunger, disproportionate possession of wealth etc. The World does not follow the humanistic values. If this existing situation continues then the World miss the last chance of survival.

This modern development has already spoiled the living conditions of marginalized in poor across the world in spite of having the International Organisations and its regulatory frame works. This so called modern development is lacking with basic ideology and philosophy of cohesiveness, non-violence and human relations. The present global education system is demanding a paradigm shift in socio-economic and educational system. Education should be on need based policy of development which could strongly advocate for conservation and protection of natural and ecological balance and what the Veda or oldest Indian Education System says :

यत्र विश्वम् भवत्येकनीडम् व्त **'वसुधैव कुटुम्कम्'**

Or

ओ३म् द्यौः शान्तिरन्तरिक्षंशान्तिः पृथिवी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः।

वनस्पतयः शान्तिर्विश्वेदेवाः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः सर्वंशान्तिः शान्तिरेवः शान्तिः सामा शान्तिरेधि।।

The Education system requires a revolutionary change in India. Not only India but throughout the world. The oldest Indian education system which is logically best and having a scientific temper is only the remedy which creates a friendly human society, a friendly nature system based on need instead of greed and also creates the casteless, classless, raceless and a society of human relations irrespective of religions. Hence the Vedic educational system which will be called as Gurukul Education System is the need of the present society. This system has socio-economic relevance with scientific potential. Vedas are not having the ritualistic content but has logical and scientific knowledge, thus it has its socio-economic and scientific significance and more particularly with sustainable development ideology.

RATIONALE

Through Proposed World Conference on Gurukul Education System which is to be held in Haridwar, Uttarakhand on 6th, 7th & 8th Julyof 2018 will be an attempt to find out a solution to the present education system based on oldest, logically best with scientific temper to combat the menaces of present modern development and also to meet the challenges of climate change, economic disparity, poverty, hunger, illiteracy and other discriminations. The International Conference on Gurukul Educational Policy and sustainable development will seriously discuss on all issues related to the ecology, humanity and sustainable socio-economic development with a human touch. Hence this will be a great oppurtunity to gather about 150 Gurukuls (including their students and acharyas , about 25000) functioning in India and abroad with their pilot projects for last 100 or more than 100 years.

AN INTRODUCTION TO INTERNATIONAL CONFERENCE OF GURUKULS ON ALTERNATIVEAND SUSTAINABLE EDUCATION POLICY 2018 :

The founder of Arya Samaj Maharshi Dayanand Saraswati condemning the superstitious believes of society advocated about the logical, scientific knowledge of Vedas and proposed a syllabus for more scientific development of the society with a human touch. His was the inclusive policy of nature along with all living beings. Dayananda's idea thatVeda and its Gurukul Education System contains truth of science as well as science of true religion. Based on this later the activists of Arya Samaj has established several Gurukuls in which all students have been given equal opportunity with equal facilities without any discrimination. Swami Shraddhanand was the pioneer and estabilished the Gurukuls and its Education system. He estabilished the first Gurukul by name Gurukul Kangadi at Haridwar. Even today after more than 100 years in all parts of India Arya Samajists are running about 200 pilot projects of best education system with high dignity of humanity without any discrimination based on colour, caste, class and religion etc. and with committed pledge to dedicate themselves for the upliftment of society and Nation.

The Sarvadeshik Arya Pratinidi Sabha, NewDelhi an apex body of AryaSamaj decided to organize an International Conference on Gurukul Education System and its policy on sustainable development and morals are the part of it. It has also been decided to propose an alternative education policy not only for India but for the whole World and to organise conference in such a manner so that Gurukul Ideology based on Vedas could be glorified all over the World. As United Nations identified similar challenges to ensure sustainable development , so decision has been taken to organise an International Conference of Gurukula's on 6th, 7th and 8th July 2018 at Gurukul Kangadi Venue in Haridwar, Uttarakhand, and is supposed find out solutions to combat the menaces which World is confronting today.

OBJECTIVES OF INTERNATIONAL CONFERENCE ON GURUKUL EDUCATION SYSTEM 2018

The conference has three fold objectives :

* To dispel misconceptions about the Gurukul Education System or Aarsh Education System of Vedas and to project Gurukul Education system in proper perspective;

* To inculcate the spirit of NEED BASED SOCIO-ECONOMIC AARSH EDUCATION SYSTEM AND DEVELOPMENT WITH AN HUMAN TOUCH

* To focus on UN identified and declared subjects for Sustainable Development Goals 2016-2030 alongwith human values to protect the nature and humanity and develop human relations.

(All are welcome to Gurukul Sammelan)

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन में पधारने वाले आगन्तुक महानुभावों के लिए आवश्यक सूचनाएँ

गुरुकुलों की विशेषताओं तथा उपलब्धियों को प्रदर्शित करते फ्लैक्स बैनर

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन में लगाई जाने वाली गुरुकुलों के इतिहास, विशेषताओं तथा उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी में आपसे निवेदन है कि अपनी उपलब्धियाँ तथा गुरुकुल का संक्षिप्त इतिहास 8X5 फ्लैक्स बैनर पर अंकित करवाकर साथ लेकर आयें जिससे आपके गुरुकुल का प्रतिनिधित्व प्रदर्शनी में हो सके।

निवास में सुविधा के लिए अपना पहचान पत्र साथ अवश्य लायें

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन में भारी संख्या में महानुभावों का आगमन होगा। अतः होटल तथा धर्मशाला आदि में निवास करने वालों के लिए पहचान पत्र का होना आवश्यक है। इसलिए अपना कोई भी पहचान पत्र साथ अवश्य लायें।

सम्मेलन में आयोजित भव्य शोभायात्रा में अपने समाज या संगठन का बैनर साथ लायें

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन के अवसर पर विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया है। जिसमें आप अपने आर्य समाज संगठन, गुरुकुल या संस्था का बैनर साथ लेकर अवश्य आयें जिससे यात्रा की शोभा भी बढ़ेगी और आपके संगठन का प्रतिनिधित्व भी दिखाई देगा।

सामान्य चादर या हल्की दरी अवश्य साथ लायें

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन के अवसर पर भारी संख्या में आर्यजन पधार रहे हैं, उनके निवास की अति उत्तम व्यवस्था की जा रही है, लेकिन आपसे अपेक्षा है कि कम से कम एक चादर या बिछाने के लिए दरी अपनी सुविधानुसार अवश्य साथ लायें। जिससे आवश्यकता पड़ने पर आप उसका उपयोग कर सकें।

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन के अवसर पर साहित्य तथा अन्य विक्रेताओं के लिए स्टालों का आरक्षण प्रारम्भ, पहले आओ – पहले पाओ

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन के अवसर पर आयोजित पुस्तक मेले के लिए स्टालों का आरक्षण प्रारम्भ हो गया है। इस अवसर पर देश–विदेश के हजारों आर्यजन तथा गणमान्य व्यक्ति पधारेंगे जिससे पुस्तक विक्रेता भाईयों को वैदिक साहित्य के प्रचार–प्रसार का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। अन्य सामग्री विक्रेताओं के लिए भी स्टाल उपलब्ध है। 15X15 के स्टाल बनाये जायेंगे जिनका शुल्क मात्र 3 हजार रुपये रखा गया है। शुल्क राशि 'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा' के नाम से चैक/ड्राफ्ट द्वारा सार्वदेशिक सभा कार्यालय में भेजें। असुविधा से बचने के लिए अग्रिम राशि भेजकर अपने स्टालों को अविलम्ब सुरक्षित करा लें। सभा के उपमंत्री श्री मधुर प्रकाश जी से मो.:–9810431857 पर शीघ्रातिशीघ्र सम्पर्क करें।

सार्वदेशिक सभा द्वारा चारों दर्शनों एवं संस्कार विधि का पुनर्प्रकाशन

भाष्यकार तर्क शिरोमणि – स्वामी दर्शनानन्द सरस्वती

1. वेदान्त दर्शन – पृष्ठ 232 – मूल्य 100 रुपये
2. वैशेषिक दर्शन – पृष्ठ 248 – मूल्य 100 रुपये
3. न्याय दर्शनम् – पृष्ठ 240 – मूल्य 100 रुपये
4. सांख्य दर्शन – पृष्ठ 156 – मूल्य 80 रुपये
5. संस्कार विधि – पृष्ठ 278 – मूल्य 90 रुपये

बढ़िया कागज, सुन्दर प्रिंटिंग व आकर्षक टाइटल के साथ 25 प्रतिशत छूट पर सभा कार्यालय में उपलब्ध है।

प्रकाशक : सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5, आसफ अली रो

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा प्रकाशित

चारो वेदों का सेट

भारी छूट पर उपलब्ध

लागत मूल्य 4100/– रुपये

25 प्रतिशत छूट पर दिया जायेगा

डाक से मंगाने पर एक वेद सैट का डाक व्यय 200/– रुपये अतिरिक्त देना होगा।

प्रकाशक : सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5, आसफ अली रोड, नई दिल्ली–2

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन, हरिद्वार के लिए अभी से अपना आरक्षण सुरक्षित करवा लें

दिल्ली से हरिद्वार जाने वाली ट्रेनों का विवरण निम्न प्रकार है :–

1. Dehradun EXP (19019)
   (NZM to HW)
   Time : 5.45 - 14.40
2. Dehradun Shtbdi (12017)
   (NDLS to HW)
   Time : 6.45 - 11.22
3. Haridwar EXP (22917)
   (NZM to HW)
   Time : 11.00 - 15.50
4. Ujjaini Express (14309)
   (NZM to HW)
   Time : 11.30 - 17.20
5. IND DDN Express (14317)
   (NZM to HW)
   Time : 11.30 - 17.20
6. Dehradun EXP (22659)
   (NZM to HW)
   Time : 12.55 - 18.45
7. Dehradun EXP (12687)
   (NZM to HW)
   Time : 21.10 - 03.05
8. UDZ HW EXP (19609)
   (DLI to HW)
   Time : 3.40 - 10.25
9. LTT HW AC SUP (12171)
   (NZM to HW)
   Time : 7.10 - 13.15
10. Uttaranchal EXP (19565)
    (NDLS to HW)
    Time : 11.00 - 16.40
11. Utkal Express (18477)
    (NZM to HW)
    Time : 15.00 - 20.55
12. DDN Janshtbdi (12055)
    (NDLS to HW)
    Time : 15.20 - 19.50
13. Mussoorie EXP (14041)
    (DLI to HW)
    Time : 22.15 - 06.05
14. Nanda Devi EXP (12205)
    (NDLS to HW)
    Time : 23.50 - 3.52
15. Haridwar EXP (12911)
    (NZM to HW)
    Time : 11.00 - 16.40

नोट : (NZM) का अर्थ हजरत निजामुद्दीन, (NDLS) का अर्थ नई दिल्ली, (DLI) का अर्थ पुरानी दिल्ली, (HW) का अर्थ हरिद्वार।

वैचारिक क्रान्ति के लिए सत्यार्थ प्रकाश पढ़ें।

पंजीयन संख्या DELMUL/2005/15488
डाक पंजीकरण संख्या DL(c)-01/1213/18-20
Licence to Post without prepayment of Postage. [U (c)-289/2018-20]

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन

गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार

शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार 6, 7, 8 जुलाई, 2018

सम्मेलन सम्बन्धित जानकारी के लिए सम्पर्क करें

9013 783 101, 9849560691, 93 54840454, 701525971, 981043 1857

प्रतिष्ठा में :–

अवितरण की दशा में लौटाएँ –
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन

समापन समारोह

8 जुलाई, 2018 मध्याह्न 2 बजे से

मुख्यअतिथि : **श्री सत्यपाल मलिक,** राज्यपाल, बिहार राज्य
विशिष्ट अतिथि : **श्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल,** विधानसभा अध्यक्ष उत्तराखण्ड
: **श्री प्रकाश पंत,** वित्तमंत्री उत्तराखण्ड
: **श्री धन सिंह रावत,** शिक्षामंत्री उत्तराखण्ड
: **स्वामी अग्निवेश,** आर्यनेता
: **डॉ. वेद प्रताप वैदिक,** वरिष्ठ पत्रकार
: **ठा. विक्रम सिंह,** अध्यक्ष राष्ट्र निर्माण पार्टी

श्री सत्यपाल मलिक जी
राज्यपाल बिहार राज्य
मुख्य अतिथि

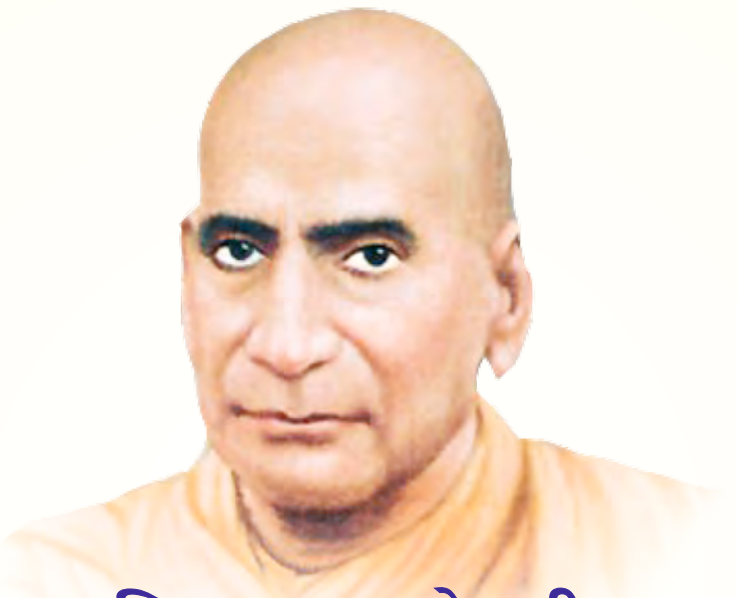

श्री प्रकाश पंज जी
मंत्री, उत्तराखण्ड
विशिष्ट अतिथि

यत्र विश्वम् भवत्येकनीडम्।

सम्मेलन आयोजक मण्डल

स्वामी आर्यवेश जी

स्वामी प्रणवानन्द जी

स्वामी यतीश्वरानन्द जी

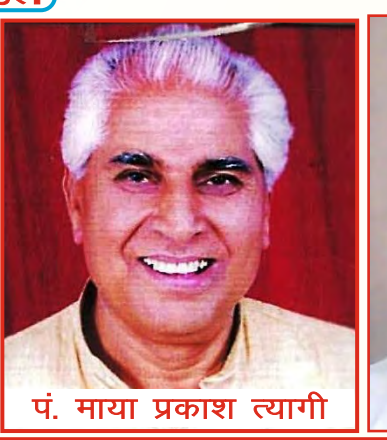

पं. माया प्रकाश त्यागी

प्रो. विट्ठलराव आर्य

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन
गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार

शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार 6, 7, 8 जुलाई, 2018

निवेदक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

दूरभाष : 011–23274771, 23260985, 9013783101, 9849560691, 9354840454, 8218863689

प्रो० विट्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रित। (फोन : 011-23274771, 23260985 टेलीफैक्स : 23274216)
सम्पादक : प्रो० विट्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.:0-9849560691, 0-9013251500 ई-मेल : sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com वैबसाइट : www.vedicaryasamaj.com
वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।